Chapter - 2

PAGE NO.
DATE: / /

भारत में वनस्पतिजात और प्राणीजात →

(i) भारत में जैव विविधता अधिक है।
(ii) कुछ अनुमान लगाया जाता है कि भारत में 10% वनस्पति जात और 20% स्तनधारियों को लुप्त होने का खतरा है।
उदा० - चीता, गुलाबी सिर वाली बत्तख, पहाड़ी कोयला

अन्तर्राष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन संघ के अनुसार वर्गीकरण →

(i) सामान्य जातियाँ → वे जातियाँ जिनके जीवित रहने के लिए संख्या सामान्य है।
जैसे - पशु, साल, चीड़

(ii) संकटग्रस्त जातियाँ →
(i) इनके लुप्त होने का खतरा है।
(ii) जिन कारणों से इनकी संख्या कम हुई है, अगर वह जारी रहा तो इनका जीवित रहना कठिन है।
उदा० - काला हिरण, मगरमच्छ, जंगली गधा, शेर पूँछ वाला बंदर

Note - जैव विविधता → जैव विविधता वन्य जीवन और कृषि फसलों में विविधता का प्रतीक है।

www.notesdrive.com
https://parikshasolutions.blogspot.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

DATE / /

(iii) सुभेद्य जातियाँ —
(i) इनकी संख्या घट रही है।
(ii) अगर जिन परिस्थितियों के कारण इनकी संख्या घट रही है वे ~~जारि~~ जारी रही तो ये संकटग्रस्त जातियों की श्रेणी में आ जाएगी।
जैसे - नीली भेड़, एशियाई हाथी, डॉल्फिन

(iv) दुर्लभ जातियाँ —
(i) संख्या बहुत कम है।
(ii) संकटग्रस्त श्रेणी में आ सकती है।

(v) स्थानिक जातियाँ —
(i) कुछ विशेष क्षेत्रो में पाई जाती है।
उदा० - ~~(ii)~~ अंडमानी टील, निकोबारी कबूतर, अंडमानी ~~जंगल~~ जंगली सुअर।

(vi) लुप्त जातियाँ —
(i) पूरी पृथ्वी से लगभग गायब
(ii) खोज करने पर भी नही मिली।
उदा० - एशियाई चीता, गुलाबी सिर वाली बतख।

वनो को नुकसान —

(i) हमें लकड़ी, पत्ते, रबड़, दवाईयाँ, भोजन, ईंधन, चारा आदि सभी वनो से प्राप्त होता है, हमने ही वनो को नुकसान पहुँचाया है।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(ii) औपनिवेशिक काल में रेललाईन और संसाधनों के लिए वनों की कटाई हुई।
(iii) झूम खेती से भी वनों को नुकसान पहुँचा है।
(iv) नदी घाटी परियोजनाओं की वजह से भी वनो को साफ किया गया है।
(v) खनन द्वारा भी वनों की बर्बादी हुई है।

जैव विविधता कम करने वाले कारक —
वन और वन्य जीवन और कृषि फसलों में जो इतनी विविधता पाई जाती है उसे जैव विविधता कहते है।
कम करने वाले कारक —
(i) जानवरों को मारना / शिकार
(ii) पर्यावरण प्रदूषण
(iii) जंगलो में आग
(iv) वनो की कटाई
(v) वन्य जीवों के आवास का विनाश

भारत में वन और वन्य जीवन की संरक्षण —

(i) संकटग्रस्त जातियों के बचाव पर, शिकार पर रोक और जंगली जीवों के व्यापार पर रोक लगा दी।

(ii) सरकार ने राष्ट्रीय उद्यान और पशुविहार स्थापित किए।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(iii) बाघ, एक सींघ वाला गैंडा, काला हिरण, मगरमच्छ, घड़ियाल, तेंदुआ, भारतीय हाथी को रक्षा प्रदान की गई।

सरकार / वन विभाग द्वारा वनों का वर्गीकरण —

(i) आरक्षित वन – देश में 50% से अधिक वन क्षेत्र आरक्षित वन घोषित किए गए हैं।
क्षेत्र – M.P., पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र

(ii) रक्षित वन — कुल वन का 1/3 हिस्सा रक्षित वन है।
इन वनों को और अधिक नष्ट होने से बचाने के लिए इनकी सुरक्षा की जाती है।
क्षेत्र – हरियाणा, पंजाब, हिमालय।

(iii) अवर्गीकृत वन – अन्य सभी प्रकार के वन और बंजर भूमि जो सरकार, व्यक्तियों और समुदायों के स्वामित्व में होते हैं।
अवर्गीकृत वन कहलाते हैं।

समुदाय और वन संरक्षण —

(i) सरिस्का बाघ रिजर्व में राजस्थान के गांव के लोग खनन कार्य नहीं होने देते।
(ii) हिमालय में चिपको आंदोलन वनों की कटाई को रोक।
(iii) टिहरी में बीज बचाओ आंदोलन, किसानों के द्वारा।
(iv) अलवर में 5 गाँवों ने मिलकर वहाँ वन भूमि को भैरोदेव डाकव 'सोंचुरी' घोषित कर दिया और कानून बनाए और शिकार बंद कराया।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(i) जैव विविधता क्या है ? यह मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है ?

Ans- जैव विविधता वन्य जीवन और कृषि फसलों में विविधता का प्रतीक है। यह मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति करती है।

(ii) विस्तारपूर्वक बताएँ कि मानव क्रियाएँ किस प्रकार, प्राकृतिक वनस्पति जात और प्राणी जात के ह्रास के कारक है।

Ans- (i) मानव कभी ईंधन और कभी कृषि के लिए वनों को अंधाधुंध काटता है जिससे वन्य वनस्पति नष्ट हो रही है।
(ii) रासायनिक उद्योगों का कूड़ा कचरा फेंकने से भूमि प्रदूषण होता है।
(iii) वृक्षों के अंधाधुंध कटने से पर्यावरण को भी नुकसान पहुँचता है जैसे - वर्षा का कम होना।
(iv) पशुओं के अति चारण से भी वनस्पति जगत को नुकसान पहुँचता है।

(iii) भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है ? विस्तारपूर्वक विवेचना करें।

Ans- (i) राजस्थान के लोगों ने सरिस्का बाघ रिजर्व क्षेत्र में होने वाले खनन कार्यों का विरोध किया और सफलता प्राप्त की।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(ii) हिमालय क्षेत्र में चिपको आंदोलन के द्वारा वृक्षों की कटाई को रोका गया।

(iii) भारतीय धार्मिक मान्यताओं के अनुसार विभिन्न वृक्षों और पौधों को पवित्र मानकर पूजा जाता है जैसे- पीपल, वट

(iv) भारतीय लोग कुछ पशुओं को पवित्र मानकर पूजते हैं क्योंकि वे इन्हे देवी-देवताओं के साथ जोड़ते है। जैसे - नाग को शिव के साथ, मोर को कृष्ण के साथ, हाथि हाथी को गणेश के साथ।

(v) राजस्थान के अलवर जिले के पाँच गाँवों ने मिलकर वहाँ वन भूमि को भैरोदेव डाकव 'सेंचुरी' घोषित कर दिया और कानून बनाए और शिकार बंद कराया।

(iv) वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर एक निबंध लिखिए।

Ans- (i) भारत के जनजातीय लोग प्रकृति की पूजा सदियों से करते आ रहे है। उनके इन विश्वासो ने विभिन्न वनों को मूल या कौमय रूप मे बचाकर रखा है जिन्हे पवित्र पेड़ो के झुरमुट (देवी-देवताओ के वन) कहते है। वनों के इन भागों में या तो वनो के ऐसे बड़े भागों में न तो स्थानीय लोग घुसते है तथा न ही किसी को छेड़छाड़ करने देते।

(ii) कुछ समाज कुछ विशेष पेड़ो की पूजा करते है और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे है। जैसे- छोटानागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदम्ब के पेड़ो को पूजते है।

www.notesdrive.com

(iii) कई लोग पीपल और वट की पूजा करते है।

(iv) भारतीय झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों, और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण करते है। जैसे वे ~~मंदिर~~ मंदिरो या अन्य स्थलों पर बंदरों को खिलाते है।

(v) राजस्थान के विश्नोई गाँवो के आस-पास काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देखे जाते है जो कि इनके समाज के अभिन्न अंग है और इन्हे कोई नुकसान नही पहुँचा सकता है।

https://parikshasolutions.blogspot.com

www.notesdrive.com